Dainik Jagran

19.11.2015

Page No. – 11

S.No.- 364

पांच दिवसीय सम्मेलन का शुभारंभ

मुरादनगर : एनएच-58 स्थित आइटीएस डेन्टल कालेज में बुधवार को भारतीय दंत अनुसंधान समाज के 28वें वार्षिक सम्मेलन का शुभारंभ हो गया। पांच दिवसीय सम्मेलन में पहले दिन पेपर व पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ कालेज के डायरेक्टर जनरल डा. हरिप्रकाश व डायरेक्टर डा. विनोद सचदेव एवं प्रधानाचार्य डा. देवीचरण शेट्टी ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख द्वीप प्रज्जवलित कर किया। कालेज के मीडिया प्रभारी राजीव मल्होत्रा ने बताया कि पांच दिवसीय आयोजन को पहले दो दिन सम्मेलन कोर्स और तीन दिन मुख्य सम्मेलन में विभाजित किया गया है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में 30 भारतीय मूल के दंत शोधकर्ता और 17 दंत शोधकर्ता विदेशों से भाग लेने के लिए आ रहे है।

Amar Ujala

19.11.2015

Page No. 06

S.No.- 363

सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे वरुण गांधी

मुरादनगर। आईटीएस दी एजुकेशन ग्रुप मुरादनगर स्थित डेंटल कॉलेज में भारतीय दंत अनुसंधान समाज के 28वें वार्षिक सम्मेलन में 20 नवंबर को वरुण गांधी शिरकत करेंगे। आईटीएस ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य समाज सेवा व शिक्षा को बढ़ावा देना है।

Hindustan

19.11.15

Page No. - 18

S.No.- 365

वार्षिक सम्मेलन का आयोजन हुआ

गाजियाबाद। आईटीएस सेंटर फॉर डेंटल स्टडीज एंड रिसर्च में पांच दिवसीय वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में 46 दंत शोधकर्ता के साथ 1000 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दंत चिकित्सक भाग ले रहे हैं। सांसद वरुण गांधी ने

Yug Karvat

19.11.2015

Page No. – 05

S.No.- 366

वरुण कल आईटीएस में

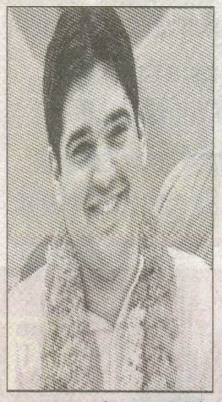

मुरादनगर। भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं सुल्तानपुर से लोकसभा सांसद वरुण गांधी शुक्रवार को मुरादनगर आ रहे हैं। वह नेशनल हाईवे-58 पर असालत नगर के सामने स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलेज में चल रहे पांच दिवसीय भारतीय दंत अनुसंधान केंद्र के 28वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लेकर नौ देशों के डॉक्टरों के इंटरनेशनल सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे।

Amar Ujala

21.11.2015

Page No. 07

S.No.- 367

आईडीएम में पहुंचे सांसद वरुण गांधी बोले-स्वास्थ्य सेवाओं में खर्च को बढ़ाया जाए जीडीपी का हिस्सा

'ग्रामीण इलाकों में आज भी डेंटिस्ट कम'

अमर उजाला ब्यूरो

मुरादनगर। भारत में जीडीपी का केवल 2 फीसदी हिस्सा ही स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च होता है। 30 प्रतिशत से कम लोगों के पास ही स्वास्थ्य बीमा है, जो कि देश की जनसंख्या के हिसाब से बहुत कम है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में दंत चिकित्सकों का काफी अभाव है। इसमें सुधार के लिए सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं पर जीडीपी का अधिक हिस्सा खर्च करने की जरूरत है। आईटीएस डेंटल कॉलेज में आईएसडीआर कार्यशाला में भाजपा सांसद वरुण गांधी ने यह बातें कहीं।

पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ भाजपा सांसद वरुण गांधी, डा. एसपीएस बक्शी, आईटीएस ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने किया। कार्यशाला में डेंटल कॉलेजों के एक हजार से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सांसद वरुण गांधी ने कहा कि लोकसभा में 33 प्रतिशत सांसद कृषि क्षेत्र, 12 प्रतिशत वकील और केवल 4 प्रतिशत मेडिकल प्रोफेशन से हैं। भारत में मेडिकल की पढ़ाई में करीब 2 लाख लड़कियां और डेढ़ लाख लड़के हैं, जो कि गौरव की बात है। कारपोरेट सोशल रेस्पोंसिबिलिटी (सीएसआर) का 0.05 प्रतिशत से कम हिस्सा दंत स्वास्थ्य परियोजनाओं के लिए प्रयोग होता है। उन्होंने युवा डॉक्टरों से चार-पांच महीने ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क इलाज देने को प्रेरित किया।

आईटीएस डेंटल कालेज में कार्यशाला को संबोधित करते भाजपा सांसद वरुण गांधी ।

कार्यशाला में 16 अंतर्राष्ट्रीय और 30 से अधिक राष्ट्रीय वरिष्ठ दंत चिकित्सकों ने अनुभव साझा किए। पीजी निदेशक डा. विनोद सचदेव ने बताया कि श्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले शोधार्थियों को 60 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। आईएसडीआर संस्थान की अध्यक्षा डा.नसीम शाह ने उच्च शिक्षा संस्थानों के अनुसंधान के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम में दुबई के डा. काफर्ड बेन, ग्रीस से डा. क्लीयोपेटरा नाकोपूलोस, स्काटलैंड के डा. वाल्स एंगस, यूके के डा. युजीन मराए, चीन से डा. जूआन बियान म्याउ हे, दिल्ली के मौलाना आजाद डेंटल कॉलेज के डा. महेश वर्मा, एम्स से डा. ओपी खरबंदा आदि मौजूद रहे।

Dainik Jagran

21.11.2015

Page No. – VI GZB

S.No.- 368

'चिकित्सा क्षेत्र में बदलावों की आवश्यकता'

- वरुण गांधी ने आइटीएस में किया कार्यशाला का उद्घाटन
- श्रेष्ठ शोध वाले छात्रों को 60 हजार की धनराशि का पुरस्कार

डाक्टरों को स्मृति चिन्ह देते मुख्य अतिथि भाजपा सांसद वरुण गांधी।

संवाद सहयोगी, मुरादनगर : भाजपा सांसद वरुण गांधी ने कहा कि लोकसभा में 33 प्रतिशत सांसद कृषि क्षेत्र, 12 प्रतिशत वकील व 4 प्रतिशत लोग मेडिकल क्षेत्र से जुड़े हैं। देश में 30 प्रतिशत से भी कम लोगों के पास स्वास्थ्य बीमा है, जबकि जीडीपी का केवल दो प्रतिशत हिस्सा स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दिया जाता है। ऐसे में चिकित्सा के क्षेत्र में देश में बड़े बदलावों की आवश्यकता है। यह बातें उन्होंने शुक्रवार को एनएच-58 स्थित आइटीएस डेंटल कॉलेज में बतौर मुख्य अतिथि कही। वह इंडियन सोसायटी फॉर डेंटल रिसर्च विषय पर पांच दिवसीय अंतराष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन करने के लिए आइटीएस पहुंचे थे।

उन्होंने सूचना के अधिकार (2005) और पीआइएल की आम आदमी के लिए उपयोगिता और ताकत के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर विभिन्न डेंटल कॉलेजों से एक हजार से अधिक प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में श्रेष्ठतम शोध करने वाले छात्रों को 60 हजार रुपये की धनराशि देकर पुरस्कृत किया गया। इससे पूर्व वरुण गांधी ने कार्यशाला सोवनियर का विमोचन किया। शोधकर्ताओं और विदेशों से आए डॉक्टरों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यशाला में भाग लेने के लिए अमेरिका, दुबई, स्कॉटलैंड, चीन आदि से कई अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कई डाक्टर पहुंचे हैं। सम्मेलन में मौलाना आजाद डेंटल कॉलेज दिल्ली से डा. महेश शर्मा, एम्स दिल्ली से डा. ओपी खरबन्दा समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

Nav Bharat Times

21.11.2015

Page No. -04

S.No.- 369

'गांव में जाकर सेवा करें डॉक्टर'

ITS डेंटल कॉलेज में बोले वरुण गांधी

■ एनबीटी न्यूज, मुरादनगर : एनएच 58 स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में 28वां इंडियन सोसायटी फॉर डेंटल रिसर्च कार्यक्रम चल रहा है। जिसमें देश भर से आये एक हजार से अधिक डेन्टल डॉक्टर हिस्सा ले रहे हैं।

समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने डॉक्टरों से कहा कि युवा दन्त चिकित्सक ग्रामीण क्षेत्र में जाकर समाज के कमजोर वर्ग के लोगों, किसानों मजदूरों को बेहतर

डॉक्टर्स को संबोधित भी किया

दन्त चिकित्सा मुहैया कराएं। शहरों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी डेंटल डॉक्टर्स का अभाव है। बीजेपी सांसद वरुण गांधी शुक्रवार को आईटीएस डेंटल कॉलेज के विक्रम साराभाई ऑडिटोरियम में देश भर से आये दांतों के डॉक्टरों को संबोधित कर रहे थे।

Punjab Kesari

21.11.2015

Page No. -03

S.No.-370

आईएसडीआर कार्यशाला का उद्घाटन

गाजियाबाद,(ब्यूरो): मुरादनगर स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में शुक्रवार को भाजपा सांसद वरुण गांधी ने तीन दिवसीय आईएसडीआर कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न डेंटल कॉलेजों के सैकड़ों प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इस मौके पर भाजपा सांसद वरूण गांधी ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि लोक सभा में 33 प्रतिशत सांसद कृषि क्षेत्र, 12 प्रतिशत वकील और केवल 4 प्रतिशत मेडिकल प्रोफेशन से जुड़े लोग हैं। उन्होंने बताया कि भारत में जी.डी.पी. का केवल 2 प्रतिशत हिस्सा स्वास्थ्य सेवाओं के लिये दिया जाता है और 30 प्रतिशत से कम लोगों के पास स्वास्थ्य बीमा है। जोकि भारत की जनसंख्या के हिसाब से बहुत कम है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में भी दन्त चिकित्सकों का अभाव है। डा. महेश वर्मा, मौलाना आजाद डेन्टल कालेज दिल्ली, डा. ओपी खरबन्दा एम्स दिल्ली, डा. रंगानाथन, डा. सीताराम वागले मुम्बई आदि सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कार्यशाला का उद्घाटन करते भाजपा सांसद वरुण गांधी। (छाया: जावेद खान)

Dainik Jagran

22.11.2015

Page No. – III GZB

S.No- 371

छात्राओं ने समा बांधा

मुरादनगर : एनएच-58 स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में चल रहे पांच दिवसीय आइएसडीआर सम्मेलन में शनिवार को डेंटल शोधकर्ताओं ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। देर रात छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। अमेरिका से आए वरिष्ठ डॉक्टर एवं शोधकर्ता डा. मार्क हैफ्ट ने कहा कि उम्र के बढ़ने पर मुंह और दांतों में कई तरह के बदलाव आते है।

Amar Ujala

23.11.2015

Page No. – 07

S.No- 372

28 वें आईएसडीआर सम्मेलन का समापन

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कालेज में चल रहे पांच दिवसीय 28 वें आईएसडीआर सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया। सम्मेलन में अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, ग्रीस, सऊदी अरब, थाइलैंड, दक्षिण कोरिया, चीन, ईरान आदि के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन का मुख्य केंद्र डेंटल रिसर्च था, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। प्रो. रिचर्ड ने बताया कि किस तरह केड केम तकनीक का प्रयोग हम डेंट इंपलांट करके बुजुर्ग मरीजों में ओरल रिहेबिलिटेशन कर सकते है। डा. राबर्ट हारोहिल ने ओरल सर्जरी में दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बए विकास पर बात चर चर्चा की। सम्मेलन में दिल्ली, हरियाणा, तमिलनाडु, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलांगना, उत्तराखंड, बंगाल, चंडीगढ़ से आए वक्ताओं ने भाग लिया। वहां चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, डा.देवीचरण शेट्टी आदि मौजूद रहे।

N.B.T

23.11.2015

Page No. – 4

S.No- 373

सम्मेलन का समापन

■ एनबीटी न्यूज, मुरादनगर

आईटीएस डेंटल कॉलेज में 28वें आईएसडीआर सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया। इस मौके पर कॉलेज के प्रिंसिपल देवीचरण सेट्टी ने बताया कि इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 5 दिनों तक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वक्ताओं ने भाग लिया। एक हजार से अधिक दंत चिकित्सकों ने भागीदारी की।

Rashtriya Sahara

23.11.2015

Page No. – 08

S.No- 374

दंत विज्ञान पर समारोह का समापन

मुरादनगर (एसएनबी)। राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर गांव असालतनगर के सामने आईटीएस डेंटल कॉलेज में आईएसडीआर व आईएडीआर के तत्वाधान में दंत विज्ञान पर आयोजित 28 वें अंतर्राष्ट्रीय समारहो का रविवार को समापन हुआ। समारोह मे अमेरिका, ब्रिटेन, स्काटलैंड आस्ट्रलिया, ग्रीस, संयुक्त अरब अमिरात, थाइलैंड दक्षिण कोरिया, चीन और ईरान से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। समारोह का उद्घाटन भाजपा नेता व सांसद वरूण गांधी ने किया था। समारोह में मुख्य रूप से डॉ एसपीएस बक्शी, आईएसडीआर की अध्यक्षा डॉ. नसीम शाह, आईएडीआर के अध्यक्ष डॉ. मार्क हेफट यूएसए, एग्जीक्यूटिव डॉयरेक्टर क्रिस्टोफर फास और आईटीएस कॉलेज के चेयरमैन डॉ. आर पी चड्ढा ने भाग लिया।

Nav Bharat Times

Date: 22.11.15

Page No. 08

सम्मेलन में दिए कैंसर से बचाव के टिप्स

■ एनबीटी न्यूज, गाजियाबाद

मेरठ रोड स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में आईएसडीआर के वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। वार्षिक सम्मेलन में दांतों से संबंधित विभिन्न बीमारियों की जानकारी देने के साथ उनसे बचाव के टिप्स भी दिए। अमेरिकी मूल के वक्ता डॉ. मार्क हैफ्ट ने बताया कि उम्र बढ़ने के साथ हमारे मुंह में कई तरह के बदलाव आते हैं। इससे मनुष्य निराशा में चला जाता है। उन्होंने इसके निवारण के कई उपाय भी बताए जिनका चिकित्सक अपनी रोजमर्रा की प्रैक्टिस में उपयोग कर सकते हैं। डॉ. रंगनाथन ने कहा कि कैंसर भारत में मृत्यु का प्रमुख कारण है। उन्होंने कैंसर जांच और उसके इलाज से संबंधित जानकारी दी। भारत में तंबाकू के कारण मुंह में कैंसर से मरने वालों की संख्या विश्व में सबसे अधिक है।

आईटीएस डेंटल कॉलेज में आईएसडीआर के वार्षिक सम्मेलन में कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्टूडेंट

Amar Ujala

Date: 23.11.15

Page No. 07

28 वें आईएसडीआर सम्मेलन का समापन

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कालेज में चल रहे पांच दिवसीय 28 वें आईएसडीआर सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया। सम्मेलन में अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, ग्रीस, सऊदी अरब, थाइलैंड, दक्षिण कोरिया, चीन, ईरान आदि के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन का मुख्य केंद्र डेंटल रिसर्च था, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। प्रो. रिचर्ड ने बताया कि किस तरह केड केम तकनीक का प्रयोग हम डेंट इंपलांट करके बुजुर्ग मरीजों में ओरल रिहेबिलिटेशन कर सकते है। डा. राबर्ट हारोहिल ने ओरल सर्जरी में दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नए विकास पर बात चर चर्चा की। सम्मेलन में दिल्ली, हरियाणा, तमिलनाडु, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलांगना, उत्तराखंड, बंगाल, चंडीगढ़ से आए वक्ताओं ने भाग लिया। वहां चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, डा.देवीचरण शेट्टी आदि मौजूद रहे।

Nav Bharat Times

Date: 23/1/15

Page No. 03

यूथ ने सीखा खुद को स्पेशल बनाने का तरीका

ITS कॉलेज में आयोजित हुई पर्सनैलिटी इंप्रूवमेंट एंड इमेज कंसल्टिंग वर्कशॉप

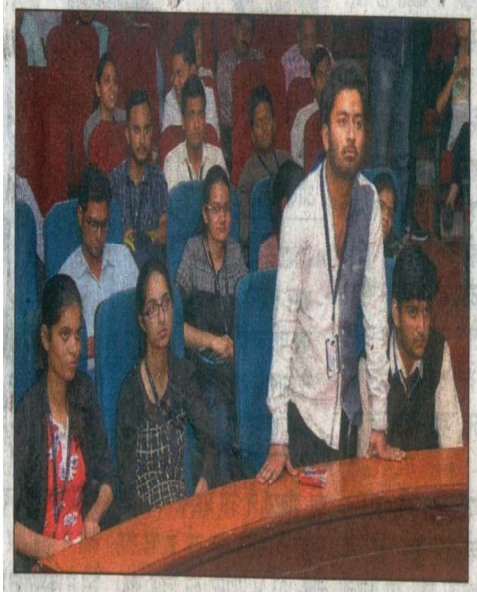

वर्कशॉप के दौरान युवाओं ने पर्सनैलिटी से जुड़े पूछे कई सवाल

■ एनबीटी न्यूज, मोहन नगर

आईटीएस कॉलेज में शनिवार को एनबीटी रंगमंच क्लब की ओर से पर्सनैलिटी इंप्रूवमेंट एंड इमेज कंसल्टिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस मौके पर अर्बनिस्टा इमेज कंसल्टिंग की डायरेक्टर शीना अग्रवाल ने रंगमंच क्लब के मेंबर को पर्सनैलिटी की छोटी-छोटी कमियों के बारे में बताया, जिसकी वजह से लोगों को सोशल और प्रफेशनल फील्ड में निराशा का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कार्यक्रम में बैठे यूथ को यह भी बताया कि इंटरव्यू के दौरान कैसा व्यवहार करना चाहिए। प्रोग्राम में शामिल क्लब मेंबर्स और अन्य लोगों ने उनसे कई सवाल भी पूछे। उन्होंने अपनी पर्सनैलिटी की कमियों से संबंधित कई सवाल पूछे।

पर्सनैलिटी गुरु शीना अग्रवाल ने दिए खास टिप्स

NBT रंगमंच Club

क्या है पर्सनैलिटी मंत्रा

खुद की ब्रैंड वैल्यू बनाएं

वर्कशॉप के दौरान पर्सनैलिटी गुरु शीना अग्रवाल ने बताया कि इंसान को खुद की ब्रैंड वैल्यू बनानी चाहिए, तभी अन्य लोग उस पर फोकस करते हैं। उन्होंने बताया कि बेहतर करने की स्किल्स सबके अंदर होती है, लेकिन जब आप दूसरों से अलग होते हैं तभी आपकी पहचान होती है। उन्होंने बताया कि इंसान के कपड़ों और बातचीत से ही सामने वाला उसकी ब्रैंड वैल्यू का पता लगा लेता है। इसका उदाहरण उन्होंने प्रोजेक्टर पर कुछ एड दिखाकर दिया। उन्होंने बताया कि अगर कोई इंसान काफी अनुभवी है तो वह भी उसकी ब्रैंड वैल्यू है।

आई कॉन्टैक्ट है खास

किसी भी इंटरव्यू में आई कॉन्टैक्ट बेहद जरूरी है। इस बात पर पर्सनैलिटी गुरु ने सबसे ज्यादा जोर दिया। उन्होंने बताया कि किसी इंटरव्यू में आपका सेलेक्शन आपकी डिग्री और नॉलेज के आधार पर ही नहीं होता है। अगर आप अपने बातों को कॉन्फिडेंस के साथ इंटरव्यू लेने वाले शख्स के सामने रख रहे हैं तो उसकी सोच और आपकी सोच मिलने लगे, इसलिए जरूरी है कि आप इंटरव्यू के अंजान प्लेस से न घबराएं। बल्कि अंजान प्लेस को अपना कॉमन प्लेस समझकर इंटरव्यू फेस करें। इसके अलावा उन्होंने इंटरव्यू के दौरान अपना शॉर्ट इंट्रोडक्शन देने की सलाह भी दी।

इंटरव्यू में थर्ड पीस है जरूरी

शीना का कहना था कि पर्सनैलिटी में अहम रोल ड्रेस सेंस भी है। इंटरव्यू के दौरान थर्ड पीस जरूर एड करें। उन्होंने बताया कि बॉयज थर्ड पीस के तहत टाई लगा सकते हैं। वहीं गर्ल्स स्कॉफ, जैकेट और दुपट्टा कैरी कर सकती हैं। इससे इंटरव्यू पैनल में बैठे मेंबर काफी इंप्रेस होते हैं।

> प्रफेशनल फील्ड में एंट्री करने वाले यूथ के लिए यह वर्कशॉप काफी फायदेमंद थी। अगर पहले ही इस तरह की काउंसिलिंग मिल जाए तो उन्हें परेशान नहीं होना पड़ेगा। -आशीष कुमार चौहान

> मैं डॉक्टर हूं। मैंने पूछा कि हम खुद को क्यों बदलें। शीना ने जवाब दिया कि हर किसी को अपने जीवन में 3 लोगों का चुनाव करना चाहिए, जो हमारी पर्सनैलिटी को सही से जज करे। -डॉ. खुशबू

> मैं मैनेजमेंट का स्टूडेंट हूं। मैंने पूछा कि इंटरव्यू के दौरान पूछा जाता है कि आपकी कमजोरी क्या है? उन्होंने बताया कि अपनी कमजोरी नहीं छुपानी चाहिए, उसे ताकत की तरह पेश करें। -अभिनव गोस्वामी

> एनबीटी रंगमंच क्लब की मुहिम काफी सराहनीय है। आजकल अधिकांश नौजवान अपनी पर्सनैलिटी की वजह से इंटरव्यू में सिलेक्ट होने से चूक जाते हैं। -मोनिका शर्मा

> वर्कशॉप सेशन काफी सेचत था। पर्सनैलिटी परफेक्शन ही एक ऐसा हथियार है, जिससे जीवन के हर क्षेत्र में कामयाबी पाई जा सकती है। -कुंतल वार्ष्णेय

भाषा नहीं है बाधा

शीना अग्रवाल ने बताया कि इंटरव्यू के दौरान यह जरूरी नहीं कि आप इंग्लिश में ही खुद को प्रेजेंट करें। अगर आप अच्छी हिंदी बोलते हैं तो भी इंटरव्यू पैनल आप से प्रभावित होगा। ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक व्यवहार शैली होनी चाहिए तभी प्राथमिकता मिलेगी।

लड़कियों ने भी लिया भाग

Nav Bharat Times

Date: 23.11.15

Page No. 04

सम्मेलन का समापन

एनबीटी न्यूज, मुरादनगर

आईटीएस डेंटल कॉलेज में 28वें आईएसडीआर सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया। इस मौके पर कॉलेज के प्रिंसिपल देवीचरण सेट्टी ने बताया कि इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 5 दिनों तक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वक्ताओं ने भाग लिया। एक हजार से अधिक दंत चिकित्सकों ने भागीदारी की।

Dainik Jagran

Date: 22.11.15

Page No. III (G. Bod)

छात्राओं ने समा बांधा

मुरादनगर : एनएच-58 स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में चल रहे पांच दिवसीय आइएसडीआर सम्मेलन में शनिवार को डेंटल शोधकर्ताओं ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। देर रात छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। अमेरिका से आए वरिष्ठ डॉक्टर एवं शोधकर्ता डा. मार्क हेस्ट ने कहा कि उम्र के बढ़ने पर मुंह और दांतों में कई तरह के बदलाव आते हैं।